इकाई - I

1. हम पंछी उन्मुक्त गगन के

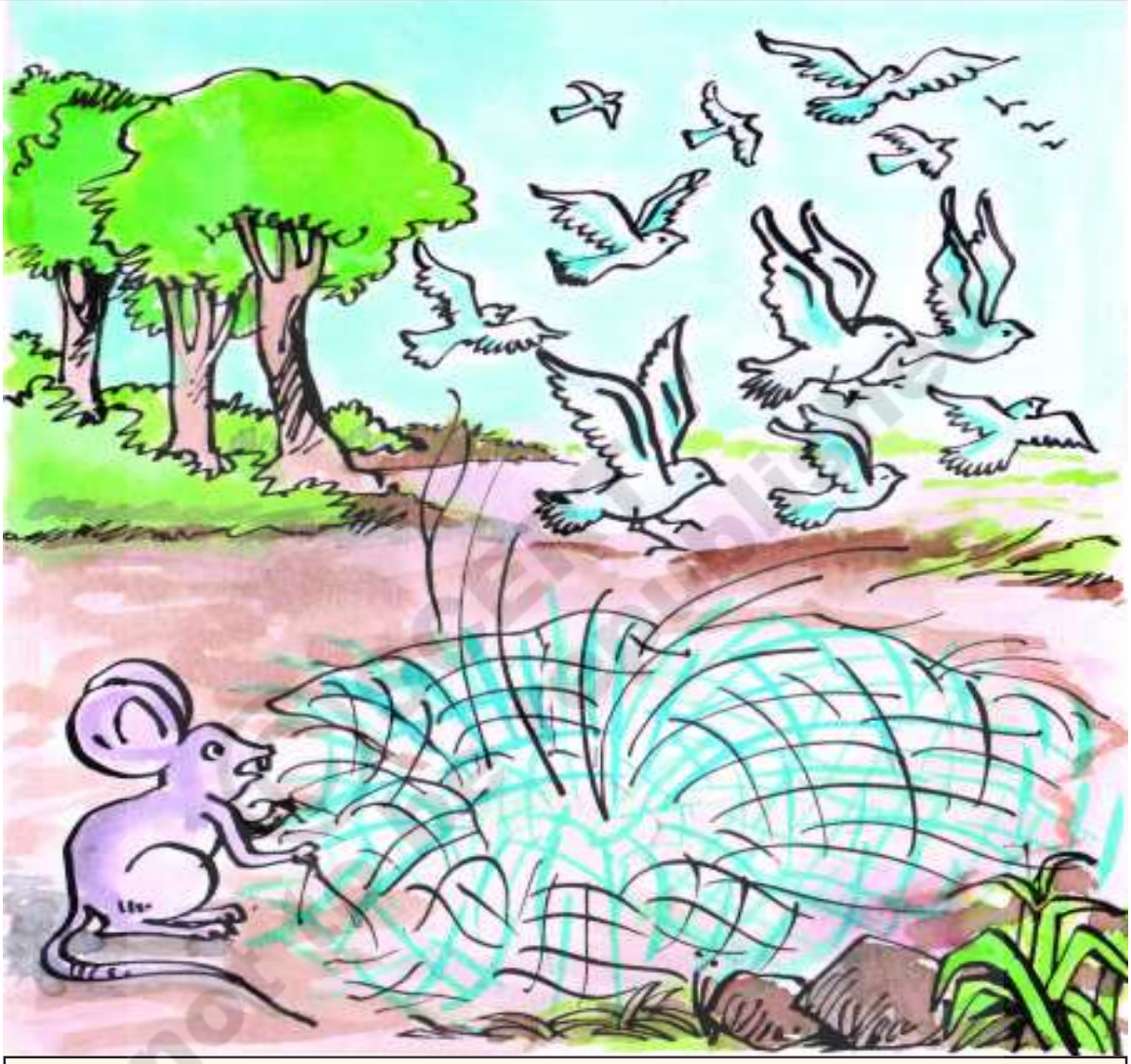

प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है?
2. पक्षी क्या कर रहे हैं?
3. पक्षियों को देखकर चूहा क्या सोच रहा होगा?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ पढ़ो। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित करो।
2. कठिन शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा करो।
3. कठिन शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़ो।

हम पंछी उन्मुक्त गगन के
पिंजरबद्ध न गा पाएँगे,
कनक-तीलियों से टकराकर
पुलकित पंख टूट जाएँगे।

हम बहता जल पीनेवाले
मर जाएँगे भूखे-प्यासे,
कहीं भली है कटुक निबौरी
कनक-कटोरी की मैदा से।

स्वर्ण-शृंखला के बंधन में
अपनी गति, उड़ान सब भूले,
बस सपनों में देख रहे हैं
तरु की फुनगी पर के झूले।

होती सीमाहीन क्षितिज से
इन पंखों की होड़ा-होड़ी,
या तो क्षितिज मिलन बन जाता
या तनती साँसों की डोरी।

ऐसे थे अरमान कि उड़ते
नीले नभ की सीमा पाने,
लाल किरण-सी चोंच खोल
चुगते तारक-अनार के दाने।

नीड़ न दो, चाहे टहनी का
आश्रय छिन्न-भिन्न कर डालो,
लेकिन पंख दिए हैं तो
आकुल उड़ान में विघ्न न डालो।

❑ *शिवमंगल सिंह 'सुमन'*

© NCERT not to be republished

सुनिए–बोलिए

1. पक्षी पिंजरे में बंद क्यों नहीं रहना चाहते?
2. पक्षियों को पालना उचित है या नहीं? अपने विचार बताइए।
3. पक्षियों के संरक्षण के लिए हमें क्या करना चाहिए?

पढ़िए

1. भाव से संबंधित कविता की पंक्तियाँ लिखिए।
   (क) हम खुले आकाश में उड़ने वाले पक्षी हैं। हम पिंजरे में नहीं रह सकते। भले ही वह पिंजरा सोने का क्यों न हो। सोने के पिंजरे की तीलियों से टकराकर हमारे पंख टूट जायेंगे।
   (ख) हमें रहने के लिए कोई घोंसला न भी हो, तो कोई बात नहीं। किंतु जब पंख दिये हैं, तो हमें उड़ने में रुकावट मत डालो।

लिखिए

1. पक्षियों को स्वतंत्र रहना क्यों पसंद है?
2. भाव स्पष्ट कीजिए।
   "स्वर्ण श्रृंखला के बंधन में
   अपनी गति, उड़ान सब भूले।"
3. पक्षियों को पिंजरे में बंद करने से केवल उनकी आज़ादी का हनन ही नहीं होता, अपितु पर्यावरण भी प्रभावित होता है। अपने विचार लिखिए।
4. यदि आपके घर के किसी स्थान पर किसी पक्षी ने अपना आवास बनाया है और किसी कारणवश आपको अपना घर बदलना पड़ रहा है तो आप उस पक्षी के लिए किस तरह के प्रबंध करना आवश्यक समझेंगे? लिखिए।

© SCERT not to be republished

शब्द भंडार

(अ) भिन्नार्थ वाला शब्द पहचानिए।

1. गगन, आकाश, नभ, अंबर, तारक .....
2. जल, कनक, नीर, पानी, वारि .....
3. तरु, पेड़, क्षितिज, वृक्ष .....
4. सोना, स्वर्ण, कनक, कुंदन, किरण .....

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

1. मित्र! अगर मैं पंछी होता
   नील गगन में उड़ता।.....कविता की पंक्तियाँ बढ़ाओ।

प्रशंसा

1. पक्षियों के जीवन से हमें क्या सीख मिलती है? अपने विचार लिखो।

भाषा की बात

1. स्वर्ण–श्रृंखला और लाल किरण–सी में रेखांकित शब्द गुणवाचक विशेषण हैं। कविता से ढूँढ़कर इस प्रकार के और तीन उदाहरण लिखिए।
2. भूखे–प्यासे में द्वंद्व समास है। इन दोनों शब्दों के बीच लगे चिह्न को सामासिक चिह्न (–) कहते हैं। इस चिह्न से 'और' का संकेत मिलता है, जैसे–भूखे–प्यासे = भूखे और प्यासे।

♦ इस प्रकार के दस अन्य उदाहरण खोजकर लिखिए।

क्या मैं ये कर सकता हूँ?	हाँ (√)	नहीं (×)
1. कविता गा सकता हूँ। सुना सकता हूँ। भाव बता सकता हूँ।		
2. इस स्तर की कविताओं का भाव पढ़कर समझ सकता हूँ।		
3. इस स्तर की कविताओं का भाव व्याख्या करते हुए लिख सकता हूँ।		
4. कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता हूँ।		
5. इस भाव पर आधारित सामान्य कविता की रचना कर सकता हूँ।		

© SCERT not to be republished